कार्यपत्र-19

1. सही उत्तर पर ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) वाक्य पूरा होने पर अंत में कौनसा विराम-चिह्न लगता है? (ii) पूर्णविराम ✓

(ख) प्रश्न करते हुए बात करने पर विराम-चिह्न प्रयोग होता है – (i) प्रश्नसूचक ✓

(ग) अल्पविराम से थोड़ा अधिक रुकने के लिए किस विराम-चिह्न का प्रयोग होता है? (ii) अर्धविराम ✓

(घ) वाक्य में किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कौन-सा विराम-चिह्न प्रयोग होता है?

(i) कोष्ठक ✓

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भाषा के लिखित रूप में विराम के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) विराम-चिह्न इस प्रकार हैं– 1. पूर्ण विराम 2. अर्धविराम 3. अल्पविराम 4. प्रश्नसूचक चिह्न 5. विस्मयसूचक 6. योजक चिह्न 7. निर्देशक चिह्न 8. उद्धरण चिह्न 9. कोष्ठक चिह्न।

(ग) पढ़ते-लिखते समय जहाँ बहुत कम देर के लिए ठहरने का संकेत देना हो, तथा संज्ञाओं, संख्याओं के बाद भी अल्पविराम का प्रयोग होता है। अर्धविराम का प्रयोग अल्पविराम से थोड़ा अधिक देर और पूर्णविराम से थोड़ा कम देर रुकने पर होता है।

(घ) जब किसी व्यक्ति की उक्ति को बिना किसी परिवर्तन के ज्यों का त्यों रखा जाता है, तब उद्धरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे– गांधी जी ने कहा, "करो या मरो।"

3. सही कथन पर ठीक (✓) का तथा गलत कथन पर गलत (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) योजक और निर्देशक चिह्न समान हैं। ✗

(ख) उद्धरण चिह्न दो तरह के होते हैं - इकहरे और दोहरे। ✓

(ग) अल्पविराम शब्दों और उपवाक्यों के बीच लगाते हैं। ✓

(घ) पूर्ण विराम वाक्य में प्रश्न करने पर लगाते हैं। ✗

4. दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए।

(क) वह सभी को गुस्से से देख रहा है	वह सभी को गुस्से से देख रहा है।
(ख) मुझे केले आम अमरूद सभी फल अच्छे लगते हैं	मुझे केले, आम, अमरूद सभी फल अच्छे लगते हैं।
(ग) हाय मैं तो लुट गया	हाय! मैं तो लुट गया।
(घ) तुम्हारे भाई का नाम क्या है	तुम्हारे भाई का नाम क्या है?
(ङ) पिता जी ने कहा हमें असहाय लोगों की सहायता करनी चाहिए	पिता जी ने कहा, "हमें असहाय लोगों की सहायता करनी चाहिए।"

5. गद्यांश में गलत विराम-चिह्नों का प्रयोग हो गया है। सही विराम-चिह्नों का प्रयोग कर गद्यांश दोबारा लिखिए।

रूपा ने दीया जलाया – अपने भंडार का द्वार खोला और एक थाली में संपूर्ण सामग्रियाँ सजाकर काकी की ओर चली! काकी के समीप पहुँचकर उसने कंठारुद्ध स्वर में कहा; – काकी उठो। भोजन कर लो? मुझसे आज बड़ी भूल हुई- उसका बुरा न मानना! परमात्मा से प्रार्थना कर दो कि मेरा अपराध क्षमा कर दें?" भोले, भाले बच्चों की भाँति जो मिठाइयाँ पाकर मार और तिरस्कार सब भूल जाते हैं; काकी सब भुलाकर बैठी हुई खाना खा रही थीं,

रूपा ने दीया जलाया। अपने भंडार का द्वार खोला और एक थाली में संपूर्ण सामग्रियाँ सजाकर काकी की ओर चली। काकी के समीप पहुँचकर उसने कंठारुद्ध स्वर में कहा – "काकी उठो! भोजन कर लो। मुझसे आज बड़ी भूल हुई। उसका बुरा न मानना। परमात्मा से प्रार्थना कर दो कि मेरा अपराध क्षमा कर दें।" भोले-भाले बच्चों की भाँति, जो मिठाइयाँ पाकर मार और तिरस्कार सब भूल जाते हैं, काकी सब भुलाकर बैठी हुई खाना खा रही थी।